केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 18 मंगलवार 6 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डायट में शुरू हुआ 204 शिक्षकों का गणित किट प्रशिक्षण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार को जनपद के आठ विकासखण्डों के 204 शिक्षकों के तीन दिवसीय गणित किट प्रशिक्षण का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि वर्तमान समय में समाज में बदलाव को देखते हुए हमें परिषदीय स्कूलों की शिक्षा को भी प्रभावी बनाना होगा। बच्चों के नामांकन के बाद ठहराव की चुनौती हमारे सामने है। मौजूदा परिवेश को देखते हुए शिक्षा को रोचक बनाने से लेकर, खेल की गतिविधियों को विस्तार देने, कमजोर बच्चों की मदद करने के साथ ही शिक्षा को आजीविका के कौशलों से जोड़ने की आवश्यकता है। कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में इस प्रशिक्षण से गणित विषय की रोचकता तथा अमूर्त से मूर्त की तरफ सीखने में मदद मिलेगी। गणित किट के माध्यम से बच्चे आकृति संख्या, गणना प्रबंधन, संख्या आदि विषयवस्तु को ठीक तरह से सीख सकेंगे। प्रशिक्षण के नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन खान ने कहा कि गणित किट में छात्रों के मापन संख्या प्रक्रिया, आकृति, पैटर्न आदि अवधारणा विकसित करने के लिए भरपूर सामग्री है जिसका लाभ छात्रों को शिक्षा के दौरान दिया जा सकता है। संदर्भदाता हरेन्द्र यादव, बालमुकुंद और अनूप सिंह ने प्रशिक्षण के पहले दिन गणित की नवाचारी शिक्षण विधियां, समेकन, शिक्षण के दौरान किट का प्रभावी उपयोग, शिक्षण योजना का निर्माण आदि विषय पर विस्तृत जानकारी दिया।

इस अवसर पर डॉ गोविन्द प्रसाद, शशिदर्शन त्रिपाठी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, वन्दना चौधरी, रविनाथ त्रिपाठी, इमरान खान, कल्याण पाण्डेय, कुलदीप चौधरी, अमनसेन, विवेक कान्त पाण्डेय, कुलदीप सिंह, पीयूष मिश्र, लवकुश त्रिपाठी, गोपाल दूबे, सचिन पाण्डेय, मधुसूदन तिवारी, अरुण दूबे, शिव कुमार त्रिपाठी, रजनीश शर्मा, विवेक कुमार, मेराज अहमद, विजय चौधरी, निशांत मिश्र, मो. सलाम, संजय, लाल महेश मौर्या, शशिकांत आदि उपस्थित रहे।

प्रधानाचार्य शानू एन्टोनी को मातृ शोक

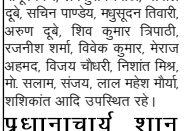

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। राजन इण्टर नेशनल एकेडमी के प्रधानाचार्य शानू एन्टोनी की वयोवृद्ध माता श्रीमती इलियामा जोसफ का उनके केरल राज्य के पैतृक गांव में निधन हो गया। सोमवार को राजन इण्टर नेशनल एकेडमी में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर विद्यालय परिवार और छात्रों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रीमती इलियामा जोसफ को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी, कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय के साथ ही शिक्षकों ने दुःख व्यक्त करते हुये कहा कि संसार में मां से बड़ा कोई नहीं।

शिकायतों के निस्तारण का निर्देश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान जन सामान्य की शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना त्याग पत्र देने के बाद भारत पहुंची

ढाका (आभा)। बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर मचे बवाल के बाद हालात बेकाबू हो गए हैं। हिंसा इतनी ज्यादा भड़क गई है कि उपद्रवियों की भीड़ ने पीएम आवास पर ही हमला बोल दिया है। शेख हसीना ने पीएम पद से इस्तीफा दे दिया है और देश छोड़कर भारत आ चुकी हैं।अब वह दिल्ली से लंदन की फ्लाइट लेने की तैयारी में है। इस बीच बांग्लादेश की सेना ने कमान संभाल ली है और अंतरिम सरकार के गठन की तैयारी है। सेना के मुखिया वकार–उज–जमां ने कहा कि सत्ता का हस्तांतरण चल रहा है। एक अंतरिम सरकार का गठन किया जाएगा। सभी हत्याओं की जांच की जाएगी। सेना पर जनता को भरोसा रखना होगा। इसके साथ ही उन्होंने जनता से शांति की अपील भी की। उन्होंने जनता से अपील की, 'आप हम लोगों पर भरोसा करें। साथ मिलकर काम करेंगे। कृपया मदद करें। हमें लड़ने से कुछ भी फायदा नहीं होगा। संघर्ष को टालिए। हम मिलकर एक सुंदर देश बनाएंगे।'

आरक्षण को लेकर मचा बवाल बांग्लादेश में इतना ज्यादा बढ़ गया है कि अब तक 300 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इसके अलावा शहर दर शहर जल रहे हैं। शेख हसीना के दफ्तर और उनकी पार्टी अवामी लीग के कार्यालय को उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिए।

बांग्लादेश में राजनीतिक संकट पर जेडी(यू) प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा, श्बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति चिंताजनक है। शेख मुजीबुर रहमान के समय से ही भारत के अवामी लीग पार्टी के साथ अच्छे संबंध हैं। मैं बांग्लादेश में लोकतंत्र की स्थिति को लेकर चिंतित हूं। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, 'पड़ोसी देश के हालात को मद्देनजर रखते हुए हमें अपनी सीमा को सुरक्षित रखना है।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिये कार्यशाला

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जिला अस्पताल के सभागार में मुख्य चिकित्साधिकारी रामशंकर दूबे की अध्यक्षता में मीडिया ब्रीफिंग संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य चिकित्साधिकारी रामशंकर दूबे ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम 10 अगस्त से 2 सितम्बर तक चलेगा। बताया कि फाइलेरिया मच्छर के काटने से होने वाला यह संक्रामक रोग है इससे बचाव के लिए सरकार द्वारा लोगों को मुफ्त दवा दी जा रही है।एक पखवारा तक चलने वाला फाइलेरिया मुक्ति अभियान की सफलता के लिए आशा,आंगनवाड़ी एवं प्रशिक्षित वॉयलेंटियर्स को लगाया गया है।

डी.एम.ओ.आई ए अंसारी ने बताया कि कार्यक्रम में कुल 2305 लोगों की टीम बनायी गयी है प्रत्येक टीम में 2 लोग रहेंगे।इसके साथ ही 387 सुपरवाईजर भी लगाए गए है।जो घर घर जाकर दो वर्ष के ऊपर के सभी लोगों को दवा की खुराक देंगे।2 से पांच वर्ष के बच्चों को

डी ई सी एवं एल्बेंडाजोल की एक एक गोली,6 से 14 साल के बच्चों को डी ई सी की 2 तथा एल्बेंडाजोल की एक गोली तथा 15 साल से ऊपर के लोगों को डी ई सी की 3 गोली एवं एल्बेंडाजोल की एक गोली की खुराक दी जाएगी।बताया कि डी ई सी की गोली खाली पेट नही खाना है एवं एल्बेंडाजोल की गोली को चबाकर खाना है दो साल से कम उम्र के बच्चों,गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को दवा नही दी जाएगी।

आईएमए के अध्यक्ष डॉक्टर अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि फाइलेरिया से बचाव के लिए सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें एवं अपने आस पास सफाई रखें।घरों के आस पास गंदगी रहने से मच्छरों के प्रकोप बढ़ता है जिससे कई प्रकार की संक्रामक बीमारी फैलती है।रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल के सचिव एल.के. पांडेय ने बताया कि 10 अगस्त को फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम का उद्घाटन स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से कराया जाएगा।कार्यशाला में मुख्य रूप से डॉ.अनिल श्रीवास्तव, आर्य नेन्द्र, दुर्गेश मल्ल, संतोष पाण्डेय, पंकज चौधरी, अनिल सिंह, आशुतोष तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

रालोद की बैठक में पदाधिकारियों की घोषणा:पार्टी में शामिल होने वालों का किया स्वागत

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। राष्ट्रीय लोकदल की मासिक बैठक सोमवार को न्याय मार्ग स्थित पार्टी कार्यालय पर कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गोरखनाथ चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में रालोद में शामिल होने वाले विवेक चौधरी, महिपाल पटेल, सर्वेश चौधरी, अरूण चौधरी, अभय पटेल आदि का फूल मालाओं के साथ स्वागत करते हुये पार्टी का पटका पहनाया गया। इसी कड़ी में पार्टी सगठन की मजबूती के लिये प्रभावी कदम उठाये जाने और जिला कार्यकर्ता सम्मेलन कराये जाने आदि पर विचार किया।

रालोद के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि मजबूत संगठन, नीति, कार्यक्रम के आधार पर ही जनता का भरोसा जीता जा सकता है। बताया कि अभय पटेल को जिला महासचिव और सर्वेश वर्मा को जिलाध्यक्ष पंचायतीराज प्रकोष्ठ, अरूण चौधरी जिलाध्यक्ष श्रम प्रकोष्ठ, ध्रुवचन्द्र चौधरी एडवोकेट को प्रोफेशनल मंच का दायित्व सौपा। रालोद के प्रति जनता का विश्वास लगातार बढ रहा है। गैर दलों से जो लोग रालोद में शामिल हो रहे हैं वे पार्टी के नीति, कार्यक्रम के अनुरूप संघर्ष तेज करें। कहा कि किसानों, नौजवानों के हितों के लिये पार्टी का रचनात्मक संघर्ष जारी रहेगा। बताया कि पार्टी का जिला कार्यकर्ता सम्मेलन रूधौली विधानसभा क्षेत्र में आयोजित किया जायेगा। रालोद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि संगठन की मजबूती से ही लक्ष्यों की प्राप्ति संभव है। इस दिशा में निरन्तर सक्रियता बनाये रखा जाय।

रालोद की मासिक बैठक में अपना दल एस के पदाधिकारी प्रमोद चौधरी, रमेश चन्द्र गिरी, राम सजीवन द्विवेदी, इरफान अहमद, निसार अहमद, संदीप पटेल, राकेश कुमार विश्वकर्मा, शिव कुमार वर्मा, रवीन्द्र चौधरी रालोद में शामिल हुये। प्रदेश महासचिव एवं सदस्यता प्रभारी अरूणेन्द्र पटेल ने उन्हें सदस्यता दिलाया।

मुख्य रूप से मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी, चन्द्रिका प्रसाद, महेन्द्र चौहान, मुन्नीलाल, इन्द्र बहादुर यादव, सामईन फारूकी, श्रीराम मौर्य, अशरफ अली, प्रदीप चौधरी, के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

हाइवे पर ओवर ब्रिज निर्माण की मागः भेजा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। ऑल इण्डिया रियूनियन अध्यक्ष एडवोकेट विक्रम गौतम के नेतृत्व में यूनियन पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओ ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से केन्द्रीय एवं भूतल परिवहन मंत्री नितिन गड़करी को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि एन.एच. 28 लखनऊ से अयोध्या होते हुये बस्ती और गोरखपुर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर पड़ने वाले मुख्य चौराहों और आवश्यक स्थानों पर ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाय।

ज्ञापन देने के बाद एडवोकेट विक्रम गौतम ने बताया कि ओवर ब्रिज न होने के कारण आये दिन दुर्घटनायें हो रही है। कप्तानगंज चौराहा,, पालिटेक्निक चौराहा, मूडघाट चौराहा, खझौला पुलिस चौकी कांटे के निकट ओवर ब्रिज की अत्यन्त आवश्यकता है। उन्होने मांग किया कि सर्वे कराकर अति शीघ्र ओवर ब्रिज का निर्माण कराया जाय और हाइवे के दोनों पटरियों पर आ गये मलवों को हटवा जाय जिससे पैदल और दुपहिया वाहन चालकों को असुविधा न होने पाये।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से अश्विनी कुमार गौतम, गोविन्द प्रसाद एडवोकेट, आकाश आर्य, राकेश कुमार कन्नौजिया आदि शामिल रहे।

रामनगर विकास खण्ड की बैठक में बस्ती का नाम वशिष्ठ नगर करने का प्रस्ताव पारित

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सोमवार को विकास खण्ड रामनगर सभागार में हुए क्षेत्र पंचायत बैठक में जनपद बस्ती का नाम वशिष्ठ नगर करने हेतु क्षेत्र पंचायत रामनगर में प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किया गया। क्षेत्र पंचायत मनरेगा योजना वर्ष 2024.25 की अनुपूरक व क्षेत्र पंचायत निधि वर्ष 2024.25 की अनुपूरक कार्ययोजना अनुमोदित की गयी।

ब्लाक प्रमुख यशकान्त सिंह ने एक पेड़ मां के नाम जो प्रधानमन्त्री का आवाहन है इस क्रम में सभी क्षेत्र पंचायत सदस्यों और सभी ग्राम पंचायत अध्यक्षों से अनुरोध किया गया कि वे सभी अपने अपने ग्राम पंचायतों में अपने माँ के नाम एक पेड़ लगाने के साथ ही उसको संरक्षित करें। मुख्यमंत्री की अति. महत्वकांक्षी योजना निराश्रित महिला आवास योजना और दिव्यांग आवास योजना अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को

लाभ दिलाने हेतु सभी सदस्यों से सहयोग दिलाने का आग्रह किया गया।

पशुपालन विभाग से आये डा0 संतोष कुमार श्रीवास्तव द्वारा पशुपालन सम्बन्धी अनेक योजनाओं तथा उसका लाभ कैसे लिया जा सकता है के बारे में बताया। मनरेगा योजना के बारे में विकास कुमार अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी ने विस्तृत जानकारी दी।

कृषि विभाग के बारे के सहायक विकास अधिकारी रामू प्रजापति द्वारा जानकारी दी गयी तथा कृषि विभाग में संचालित योजनाओं तथा उसका लाभा कैसे ले सकते है के बारे में जानकारी दी गयी। पंचायत विभाग के योजनाओं में बारे में प्रमोद कुमार ग्राम विकास अधिकारी द्वारा जानकारी दी गयी।

समाज कल्याण विभाग में चल रहे योजनाओं के बारे में सुहेल खान सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण द्वारा जानकारी दी गयी जिसमे वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि के बारे में जानकारी देने के साथ ही पात्र लाभार्थियों को लाभ दिलाने का आग्रह किया गया।

एनआरएलएम विभाग तथा बाल विकास परियोजना के समस्त योजनाओं के बारे में राम करण ने जानकारी दी।

कार्यक्रम संदीप यादव प्रतिनिधि सुभाष यदुवंश एमएलसी, अविनेश चौधरी प्रतिनिधि सांसद , खण्ड विकास अधिकारी, समस्त ग्राम पंचायत सचिव, समस्त सहायक विकास अधिकारी, पंचायत अध्यक्ष, क्षेत्र पंचायत सदस्यगण उपस्थित रहे

जयन्ती पर याद किये गये प्रखर समाजवादी छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। समाजवादी चिन्तक अपनों में छोटे लोहिया के रूप में लोकप्रिय पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनेश्वर मिश्र को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। सोमवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय में बस्ती सदर विधायक एवं सपा जिलाध्यक्ष महेन्द्रनाथ यादव के संयोजन में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने उन्हें याद किया। महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि वे आखिरी सांस तक समाजवादी थे और उन्हें समाजवाद की चलती फिरती पाठशाला कहा जाता था। राजनीति में उन्होने सदैव सादगी बनाये रखी और कार्यकर्ताओं को सर्वोच्च सम्मान दिया। युवा पीढी को उनके जीवन संघर्ष और राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरणा लेनी चाहिये। कहा कि आज जब देश में साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण हो रहा है ऐसे में हमें अपने गंगा जमुनी तहजीब को बचाये रखना होगा, यही जनेश्वर मिश्र जैसे महान नेता के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, समीर चौधरी, जमील अहमद, दयाशंकर मिश्र, रामचन्दर यादव, रामशंकर निराला, विपिन त्रिपाठी, पंकज मिश्र, राघवेन्द्र सिंह, देवेन्द्र श्रीवास्तव, अरविन्द सोनकर, हरीश आदि ने जनेश्वर मिश्र को नमन् करते हुये कहा कि जनेश्वर मिश्र के प्रभाव से बडी संख्या में युंवा जुड़े और समाजवादी विचारधारा को देश भर में स्वीकारोक्ति मिली। वक्ताओं ने स्मृतियों को साझा करते हुये कहा कि बस्ती

—समाजवाद की पाठशाला थे जनेश्वर मिश्र— महेन्द्रनाथ यादव

से जनेश्वर मिश्र का विशेष लगाव था, वे जब आते तो सबसे मिलने की कोशिश करते। कहा कि कार्यकर्ताओं के लिये उनके मन में विशेष सम्मान था । सादगी उनके राजनीति की विशेषता थी। उन्होने कभी दिखावें की राजनीति नहीं की और गांव, गरीब, आम आदमी की पीड़ा में सड़क से संसद तक स्वर देते रहे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। कहा कि सात बार केन्द्रीय मंत्री रहने के बाद भी उनके पास न अपनी गाड़ी थी और न ही बंगला। इनके नाम पर लखनऊ में एशिया का सबसे बड़ा सुन्दर पार्क सपा प्रमुख मुलायम सिंह यादव के प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के पूर्व युवा मुख्यमंत्री अखिलेश यादव द्वारा निर्माण कराया गया । ऐसे महापुरूष को सदैव स्मरण किये जाने की जरूरत है। जयन्ती पर जनेश्वर मिश्र को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से जावेद पिण्डारी, प्रशान्त यादव, मो0 सलीम, चीनी चौधरी, नेहा सिंह, दिनेश तिवारी, मो. युनूस, अजय यादव, रोहित कन्नौजिया, फौजदार यादव, बलवंत यादव, राजेन्द्र यादव, जोखू लाल, राजेश यादव, संजय गौतम, गुलाब सोनकर, कक्कू शुक्ला, तूफानी यादव, श्याम सुन्दर यादव, राहुल सिंह, चन्द्रभूषण यादव, गिरीश चन्द्र, विवेक यादव, डिम्पल, उदित पाण्डेय, गोरख यादव, रमेश गौतम, कपिलदेव यादव, अशोक यादव, गौरीशंकर यादव, छोटू मिश्रा, सुशील यादव, भुट्टुर प्रधान के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

विश्व हिंदू महासंघ पदाधिकारियों ने डीएम को भेंट किया पराक्रम पत्रिका:मासिक बैठक में हिन्दुत्व की रक्षा पर विमर्श

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सोमवार को विश्व हिंदू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में मासिक बैठक शिविर कार्यालय सुलक्ष्मी टावर पर सम्पन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुये अखिलेश सिंह ने कहा कि हिन्दू समाज के आन– मान की रक्षा के लिये निरन्तर रचनात्मक प्रयासों को जारी रखने की जरूरत है। उन्होने पदाधिकारियों से कहा कि वे अपने–अपने क्षेत्रों में सक्रियता बनाये रखें और ध्यान रहे कि किसी हिन्दू परिवार का उत्पीड़न न होने पाये। बैठक के बाद विश्व हिंदू महासंघ पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता से भेंटकर उन्हें महासंघ की पराक्रम पत्रिका भेंट किया।

महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने जिलाधिकारी रवीश गुप्ता को महासंघ द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुये कहा कि गोकशी पर नियंत्रण कराया जाय।

मासिक बैठक और जिलाधिकारी

से भेंट करने वालों में मुख्य रूप से विजय शंकर शुक्ला, सौरभ तिवारी, विन्द गोपाल त्रिपाठी, अमरजीत सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. परशुराम साहनी, विष्णु प्रताप सिंह, बालकृष्ण सिंह, राजेश गुप्ता, सतीश पाण्डेय, जगत मोहन सिंह बिक्कु, विपिन सिंह, रूपनारायण गौड़, अमरदीप श्रीवास्तव, प्रिंस यादव, राहुल सिंह, चंद्रेश पाठक, यमुना प्रसाद, विष्णु प्रताप सिंह, राघवेंद्र विश्वकर्मा, शिव सहाय सिंह, विजय यादव, वेद प्रकाश, राहुल श्रीवास्तव, उदय सिंह, रामसुख चौधरी, राजकुमार विश्वकर्मा, श्याम बहादुर, राजकुमार उर्फ मंटू चौधरी, भानु गुप्ता, यश गुप्ता, राकेश सिंह, वेद प्रकाश त्रिपाठी, जय सिंह, संदीप कुमार, मनीष पाण्डेय, बालकृष्ण सिंह के साथ ही अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

सेवा निवृत्त कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक में मुद्दों पर बनी रणनीति

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । सोमवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। संचालन श्यामधर सोनी ने किया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने बताया कि एसोसिएशन लगातार सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों के लिये संघर्ष कर रहा है। बैठक में राशिकृत पेंशन की वसूली 10 वर्ष बाद न किये जाने, पेंशन को आयकर की सीमा से बाहर किये जाने, उम्र 65, 70 और 75 वर्ष पर 5, 10, 15 प्रतिशत पेंशन में बढोत्तरी, रेलवे किराये में वरिष्ठ नागरिकों के लिये छूट बहाल किये जाने, पुरानी पेंशन बहाली एवं कैशलेश चिकित्सा, कोराना काल का फ्रीज डीए जारी करने आदि का मुद्दा छाया रहा। निर्णय लिया गया कि मांगे न मानी गई तो एसोसिएशन संघर्ष करने को बाध्य होगा।

ई. देवी प्रसाद शुक्ल, राम चन्द्र शुक्ल, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, रामनाथ, अमरनाथ सिंह, राधेश्याम तिवारी,प्रेमशंकर लाल आदि नेमासिक बैठक में कहा कि एसोसिएशन द्वारा पेंशनर्स दिवस में समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया था। निश्चित रूप से इसके सकारात्मक परिणाम

—वरिष्ठ नागरिकों के लिये रेल सुविधा में छूट बहाल करे सरकार— नरेन्द्र बहादुर

सामने आयेंगे। पेंशनरों की समस्याओं के निस्तारण के लिये एसोसिएशन लगातार संघर्षशील है। वक्ताओं 50 प्रतिशत से अधिक मंहगाई होने पर उसे पेंशन में मर्जर कर अनुषांगिक लाभ दिये जाने पर जोर दिया गया।

यह जानकारी देते हुये एसोसिएशन के उपाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि बैठक में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं पर बैठक में बिन्दुवार विचार विमर्श किया गया। इसका शीघ्र निराकरण कराया जायेगा।

बैठक में रामनाथ, प्रेमप्रकाश मिश्र, जयनाथ सिंह, अंगिरा प्रसाद, ओम प्रकाश मिश्र, प्रेम प्रकाश मिश्र, छोटेलाल यादव, सुरेशधर दूबे, मनोज कुमार श्रीवास्तव, त्रिभुवन प्रसाद, डा. नरेन्द्र उपाध्याय, धर्म प्रकाश उपाध्याय, सत्यनरायन चौधरी, कुमार मिश्र, देवी प्रसाद शुक्ल, राम कुमार पाल, राम धीरज यादव, विष्णुचन्द्र श्रीवास्तव, जयनाथ सिंह, अमरनाथ सिंह, गुप्तेश्वरनाथ पाण्डेय, सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, सुरेश चन्द्र तिवारी, मो. युसुफ, घनश्यामलाल श्रीवास्तव, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, परमेश्वरी दयाल सिंह आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 अगस्त 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

मुकदमों का बढ़ता बोझ

लोकतंत्र के चार स्तंभों में से एक न्यायपालिका काफी दबाव में है। अदालतों में मुकदमों का अंबार लगा हुआ है। देश के सर्वोच्च न्यायालय से लेकर विभिन्न अदालतों में मुकदमों का बोझ इस कदर हावी है कि न्याय की रफ्तार धीमी से धीमी होती जा रही है। अदालतों पर बढ़ते बोझ की समस्या की तस्वीर आंकड़ों के साथ पेश की जाए तो आम आदमी न्याय की आस ही छोड़ बैठेगा। आंकड़ों के हवालों से बात की जाए तो देश के विभिन्न अदालतों में अभी जितने मुकदमे लंबित हैं, सिर्फ उनकी ही ढंग से सुनवाई की जाए, तो उनका निपटारा होने में लगभग 25 सालों का समय लगेगा। आसानी से समझा जा सकता है कि अगले 25 सालों में अदालतों में और कितने नए मुकदमे आएंगे। इस तरह से जो लंबित मुकदमे हैं, उन्हें निपटाने में 25 वर्ष की जगह और भी लंबा समय लग सकता है। साफ है कि एक ओर तो न्यायपालिका पर मुकदमों का बोझ लदा है, दूसरी ओर उसके जरूरत भर न्यायाधीश भी नहीं हैं। देश की न्याय प्रक्रिया को यदि दुरुस्त करना है तो एक साथ दो मोर्चों पर काम करने की जरूरत है।

देश के प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की इस स्वीकारोक्ति ने हर संवेदनशील भारतीय के मन को छुआ कि अदालतों में लंबे समय से लंबित मामलों से तंग आकर लोग बस समझौता करना चाहते हैं। वैसे तो इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। उन्होंने कहा कि लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। न्यायमूर्ति ने स्वीकारा कि एक जज के रूप में यह स्थिति हमारे लिए चिंता का विषय होनी चाहिए। उन्होंने माना कि इन स्थितियों में किसी तरह का समझौता समाज में पहले से व्याप्त असमानता को ही दर्शाता है। उन्होंने वादों के शीघ्र निपटान में लोक अदालतों की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्वीकार किया। निस्संदेह, गाहे–बगाहे न्यायपालिका, कार्यपालिका व विधायिका द्वारा न्याय मिलने में होने वाली देरी को लेकर चिंता जरूर जतायी जाती है,लेकिन इस जटिल समस्या के समाधान की दिशा में बदलावकारी प्रयास होते नजर नहीं आते। जिसके चलते तारीख पर तारीख का सिलसिला चलता ही रहता है। न्याय के इंतजार में कई–कई पीढ़ियां अदालतों के चक्कर काटती रह जाती हैं। देश में शीर्ष अदालत, उच्च न्यायालयों और निचली अदालतों में मुकदमों का अंबार निश्चित रूप से न्यायिक व्यवस्था के लिये असहज स्थिति है। बताया जाता है कि देश में तीनों स्तरों पर करीब पांच करोड़ मामले लंबित हैं। निश्चित ही यह न्यायिक व्यवस्था के लिये एक गंभीर चुनौती है। जिसके बाबत देश के नीति–नियंताओं को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

निस्संदेह, भारत दुनिया में सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। लेकिन इतनी बड़ी आबादी के अनुपात में पर्याप्त न्यायाधीशों व न्यायालयों की उपलब्धता नहीं है। निश्चित रूप से न्याय का मतलब न्याय मिलने जैसा होना चाहिए। न्याय समाज में महसूस भी होना चाहिए। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज व सरल तथा आम आदमी की पहुंच वाली होनी चाहिए। राज्यों की क्षेत्रीय भाषाओं में न्यायिक प्रक्रिया की मांग लंबे समय से की जाती रही है। इस दिशा में कुछ प्रयास हुए भी हैं लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। जिससे तारीख पर तारीख का सिलसिला थम सके। जिसके लिये जरूरी है कि अदालती मामलों का तय समय सीमा में निपटारा किया जाना सुनिश्चित हो। उम्मीद की जा रही है कि हाल ही में लागू हुए तीन नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद स्थिति में सुधार हो सकेगा। केंद्र सरकार भी कहती रही है कि नये कानूनों का मकसद लोगों को सजा देने के बजाय न्याय दिलाने पर केंद्रित है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इन प्रयासों से मुकदमों के निस्तारण में गति आएगी। देश की जनता उम्मीद लगाए बैठी है कि दशकों से लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण हो। जिससे न्यायिक प्रक्रिया से हताश–निराश लोग समझौता करने को बाध्य न हों। विश्वास किया जाना चाहिए कि मुख्य न्यायाधीश की चिंता के बाद न्यायिक प्रक्रिया को सरल–सुगम बनाने के लिये अभिनव पहल हो सकेगी। जिससे आम लोगों की समय पर न्याय मिलने की आस पूरी हो सकेगी।

बांग्लादेश में शेख हसीना का तख्तापलट और भारत

—नीरज कुमार दुबे—

बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में जान–माल और लोकतंत्र को भारी नुकसान के बाद आखिरकार शेख हसीना की सरकार का तख्तापलट हो ही गया। देश की कमान अब सेना के पास है और उसने अंतरिम सरकार का गठन करवाने की बात कही है। शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने के लिए बांग्लादेश में जिस तरह का अभियान चलाया गया उसने दूसरे इस्लामिक देशों के सत्ताधारियों की नींद उड़ा दी है। शेख हसीना का सत्ता से बाहर होना कट्टरपंथियों की बहुत बड़ी जीत है। यह जीत दर्शाती है कि दुनिया भर में हावी होते इस्लामिक कट्टरपंथी अब भारत के बगल में भी प्रभावी हो रहे हैं। दुनिया में कई इस्लामिक देश उदारवादी माने जाते हैं अब उन्हें यह खतरा सता रहा है कि यदि कट्टरपंथी उनके यहां भी हावी हुए तो वर्तमान सत्ताधारियों के खिलाफ योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाकर उन्हें शासन से बाहर किया जा सकता है।

जहां तक शेख हसीना की बात है तो उनके शासनकाल में पहली बार देश में हालात इस कदर बेकाबू हुए कि उन्हें इस्तीफा देकर अपना देश छोड़कर ही भागना पड़ा। शेख हसीना के खिलाफ इस समय नाराजगी भले चरम पर पहुँच चुकी थी लेकिन जब वह 2009 का आम चुनाव जीत कर प्रधानमंत्री बनी थीं तब उनकी लोकप्रियता देखने लायक थी। 2009 के बांग्लादेश चुनाव के नतीजों से सबसे बड़ा झटका शेख हसीना की मुख्य प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया को नहीं बल्कि कट्टरपंथी जमात–ए–इस्लामी को लगा था। जमात–ए–इस्लामी वही संगठन है जिसने 1971 के मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान का पक्ष लिया था। खालिदा जिया की सरकार के दौरान आतंकवादी संगठन बांग्लादेश में खूब फले–फूले थे और कट्टरपंथियों का वहां बोलबाला हुआ करता था। जमात–ए–इस्लामी के भी उस समय 20 सांसद हुआ करते थे। यही नहीं, खालिदा जिया के जमाने में आतंकी तत्व बांग्लादेश की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ गतिविधियां चलाने में किया करते थे। उस समय उल्फा तथा कई अन्य उग्रवादी संगठनों के ठिकाने बांग्लादेश में हुआ करते थे। इस संबंध में जब भी भारत सरकार ने तत्कालीन बांग्लादेश सरकार को कार्रवाई के लिए कहा तब–तब खालिदा जिया की सरकार कह देती थी कि भारत की ओर से दी जा रही सूचनाएं गलत हैं।

खालिदा जिया ने सत्ता से हटने के बाद काफी प्रयास किया कि वह दोबारा सरकार में लौट सकें लेकिन जनता ने उन्हें हमेशा खारिज किया। खालिदा जिया धीरे–धीरे मुख्यधारा की राजनीति से दूर हो गयीं जिससे ऐसे उत्पाती और आतंकी तत्वों के लिए अस्तित्व बचाने का सवाल खड़ा हो गया जोकि खालिदा जिया के शासन की छत्रछाया में पनपते थे। इन तत्वों ने सरकार के विरोध में योजनाबद्ध तरीके से अभियान चलाया और छात्रों को आगे कर वह अपना उद्देश्य हासिल करने में सफल रहे। बांग्लादेश में जो कुछ हुआ है वह वहां के लिए तो घातक है ही साथ ही भारत के लिए भी यह मुश्किल बढ़ने वाली बात है। भारत ने हालांकि बांग्लादेश सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी है लेकिन अब देश को चीन और पाकिस्तान की सीमा के अलावा बांग्लादेश सीमा पर भी काफी सावधानी बरतनी होगी। ढाका में दिल्ली समर्थक सरकार का नहीं रहना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है।

हम आपको बता दें कि 2009 में शेख हसीना सरकार के आने के बाद से भारत और बांग्लादेश के संबंधों में प्रगाढ़ता आई थी। इससे पहले जब शेख हसीना 1996 से 2001 के बीच सत्ता में थीं तब भी भारत और बांग्लादेश के संबंध बेहतर रहे थे। शेख हसीना ने बांग्लादेश की कमान संभालने के बाद कट्टरपंथियों पर लगाम लगाई थी और भारत विरोधी गतिविधियां संचालित कर रहे संगठनों पर भी अंकुश लगाया था। यही नहीं, शेख हसीना बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं को भी अक्सर सुरक्षा का पूरा भरोसा दिलाती रहती थीं और उनके धार्मिक आयोजनों में भी शामिल होती थीं। शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद हिंदुओं पर हमले बढ़ने और हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुँचाये जाने की आशंकाएं बलवती हो रही हैं। पहले भी वहां हिंदुओं पर वीभत्स हमले होते रहे हैं ऐसे में अब उनके लिए खतरा और बढ़ गया है।

वैसे इसमें कोई दो राय नहीं कि शेख हसीना ने बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था को भी संकटों से उबारा था लेकिन यह भी तथ्य है कि हाल के वर्षों में खासकर महामारी के बाद से देश की अर्थव्यवस्था लड़खड़ाने लगी थी। बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के चलते शेख हसीना के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही थी। देखा जाये तो बांग्लादेश में मौजूदा अशांति का कारण सरकारी और निजी क्षेत्र में नौकरियों की संख्या नहीं बढ़ना भी है। उस पर से बांग्लादेश सरकार के हालिया आरक्षण संबंधी फैसले से छात्रों में नाराजगी बढ़ गयी थी। इसके अलावा, बांग्लादेश के कपड़ा कारखाने पूरी दुनिया में मशहूर हैं लेकिन अब यह क्षेत्र सिकुड़ रहा है जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव पड़ा है। साथ ही बांग्लादेश में महंगाई के 10 प्रतिशत के आसपास बने रहने, बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा भंडार के सिकुड़ते जाने और देश पर विदेशी कर्ज बढ़ते जाने जैसे कई अन्य कारक भी रहे जोकि शेख हसीना सरकार के खिलाफ आम जनता की नाराजगी बढ़ा रहे थे।

उस पर से जब शेख हसीना ने यह कह दिया कि आरक्षण के विरोध में प्रदर्शन करने वाले लोग छात्र नहीं बल्कि इस्लामिक पार्टी, जमात–ए–इस्लामी और मुख्य विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के लोग थे तो छात्रों का गुस्सा और भड़क गया। इसके बाद शेख हसीना ने और कड़ा रुख अपनाते हुए कह दिया कि जो लोग हिंसा कर रहे हैं वे छात्र नहीं बल्कि आतंकवादी हैं जो देश को अस्थिर करना चाहते हैं इसलिए सरकार उनके साथ सख्ती से निबटेगी। उनके इस बयान के बाद तो आंदोलनरत छात्रों ने आर पार की लड़ाई का मन बना लिया और आखिरकार वह अपने उद्देश्य को हासिल करने में सफल रहे।

बांग्लादेश से जो दृश्य सामने आ रहे हैं वह दर्शा रहे हैं कि प्रदर्शनकारियों का मकसद सिर्फ सत्ता बदलना नहीं था। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के आवास और अन्य महत्वपूर्ण इमारतों में घुसकर प्रदर्शनकारियों ने जो हरकतें की हैं वह दर्शा रही हैं कि अब देश अराजकतावादियों के हाथ में चला गया है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के आवास में जिस तरह मस्ती करते या संपत्ति को नुकसान पहुँचाते युवकों का वीडियो सामने आया है उसने श्रीलंका के राष्ट्रपति भवन में घुसे प्रदर्शनकारियों और अफगानिस्तान में तख्तापलट के दौरान सरकारी इमारतों में घुसते तालिबानियों की याद दिला दी है। बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों को समझना होगा कि मूर्तियों को तोड़ने, सरकारी इमारतों को नुकसान पहुँचाने और किसी देश के विरोध में अभियान चलाने से देश की अर्थव्यवस्था सुधर नहीं जायेगी।

बांग्लादेश में लोकतंत्र के नहीं रहने का सबसे बड़ा खामियाजा यह होगा कि विदेश कर्ज हासिल करने के जो प्रयास किये जा रहे थे, या बांग्लादेश में जो निवेश आने वाला था, अब वह बाधित हो जायेगा। बांग्लादेश में लोकतंत्र के नहीं रहने का खामियाजा यह होगा कि विदेशी सरकारें उसकी मदद करने से कतराएंगी। दुनिया का कोई भी लोकतांत्रिक देश दूसरे देश की सरकार से ही बातचीत करने या कोई करार करने को वरीयता देता है। सैन्य नियंत्रण वाले देशों से लोकतांत्रिक देश अक्सर दूरी बनाये रखते हैं।

बहरहाल, बांग्लादेश की सेना और राष्ट्रपति को चाहिए कि जल्द से जल्द अंतरिम सरकार का गठन किया जाये और संभव हो तो नये चुनाव कराये जाएं। यह सर्वविदित है कि हिंसा किसी मसले का हल नहीं है, लूटपाट और उत्पात से देश को नुकसान ही होगा और पिछले वर्षों में आगे बढ़ने के लिए जो मेहनत की गयी थी उस पर भी पानी फिर जायेगा। इसलिए समय की आवश्यकता है कि बांग्लादेश एकजुट होकर इस मुश्किल घड़ी से बाहर निकले।

जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित हों युवा

—सुरेश सेठ—

दुनिया तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कामकाज के तरीके तेजी से डिजिटल और स्वचालित हो रहे हैं। रोबोटिक शक्ति इसका आधार बन रही है। कृत्रिम मेधा भी मुख्य सहयोगी के रूप में उभर रही है। यानी भारत में उत्पादन, निवेश और खेती–किसानी के तरीके भी बदलेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार अगले दस सालों में कामकाज के घंटों और नौकरी करने के तौर–तरीकों में परिवर्तन आएगा। एआई और रोबोटिक्स के चलते स्थायी व्यवस्था की जगह गिग अर्थव्यवस्था सामने आएगी। इसमें जरूरत के अनुसार अस्थायी कर्मचारियों को काम पर रखने का चलन बढ़ेगा। इसके साथ ही, काम के घंटे बदलने के कारण पारंपरिक नौकरियों की व्यवस्था के अतिरिक्त कर्मचारी संविदा के आधार पर विभिन्न सेक्टरों–कंपनियों में एक साथ कई जिम्मेदारियां संभाल सकेंगे। इसका असर डिजिटल और इंटरनेट की दुनिया में अभी से दिखने लगा है। आईटी एक्सपर्ट वर्क फ्रॉम होम करते हुए एक साथ कई कंपनियों का काम संभाल रहे हैं। पिछले दिनों एक प्रस्ताव सामने आया था कि काम के घंटे 10 से 14 कर दिए जाएं, क्योंकि आईटी क्रांति का सामना इसी तरह से किया जा सकेगा। बहरहाल, कामकाजी दुनिया की हकीकत बदल रही है।

हाल के बजट में वित्तमंत्री ने भी जिन पांच क्षेत्रों में नौकरी की व्यवस्था पर ध्यान केन्द्रित किया है, उसमें कृत्रिम मेधा और रोबोट्स की दुनिया के प्रयोग को नकारा नहीं है। भारत, जिसकी आबादी इस समय दुनिया में सबसे अधिक है, क्या वह कृत्रिम मेधा या रोबोट का उपयोग उसी तरह कर सकता है जैसे शक्ति–संपन्न पश्चिमी देश करते हैं, जहां आबादी की कमी है। बजट सत्र में वित्तमंत्री ने नई नौकरियों के लिए दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके द्वारा अगले पांच साल में 4.1 करोड़ नौजवानों को विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे रोजगार की दुनिया में खुद को अनुकूलित कर सकें।

देश में आज भी आधी आबादी से कम खेतीबाड़ी में लगी हुई है। प्रश्न है कि वहां से सकल घरेलू आय में केवल 15 प्रतिशत का योगदान ही क्यों मिल रहा है? आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर बढ़ी है। इसके अतिरिक्त, ऐसे बेरोजगार भी हैं जो पारंपरिक तरीके से अपनी पैतृक खेतीबाड़ी के धंधे में लगे रहते हैं, लेकिन देश की निवल आय में उनका कोई योगदान नहीं है। इस अनुपयोगी युवा शक्ति का इस्तेमाल किसी ऐसे वैकल्पिक धंधे में होना चाहिए जो उन्हें ग्रामीण स्तर पर ही वहीं काम उपलब्ध करवा दे। लघु और कुटीर उद्योगों का विकास और फसलों को पूर्ण रूप से तैयार करके सीधे मंडी में बेचना भी एक समाधान हो सकता है। बजटीय घोषणाओं में अगले वर्ष अखिल भारतीय सहकारी अभियान चलाने का वादा है। इसके अंतर्गत इन सभी लोगों को काम मिलेगा। लघु–कुटीर उद्योगों की बातें तो होती हैं लेकिन लाल डोरा क्षेत्र में भी ग्रामीण युवा शक्ति के स्थान पर शहरी निवेशक ही प्रवेश करता नजर आता है।

निस्संदेह, जब निजी क्षेत्र का विकास होगा और नये कारखाने खुलेंगे या फसलों पर आधारित छोटे उद्योग बढ़ेंगे, तो लोगों को स्वाभाविक रूप से रोजगार मिल जाएगा। सरकार द्वारा नौकरियां देने की क्षमता बहुत कम है। बेरोजगारों को सरकारी नौकरी देने का प्रतिशत 30 से अधिक नहीं रहा। आर्थिक प्रोत्साहन और नए निवेश के बावजूद देश अधिक से अधिक हर साल 70 लाख नौकरियां ही प्रदान कर पाएगा, जबकि देश के युवाओं को हर वर्ष कम से कम एक करोड़ नौकरियों की आवश्यकता पड़ेगी। क्या निजी क्षेत्र, सरकार के सभी प्रोत्साहनों, सब्सिडियों, मुद्रा योजनाओं और लोन क्षमता बढ़ाने के बावजूद इस कसौटी पर पूरा उतर सकेगा? बेशक, इस बार के बजट में मुद्रा योजना के तहत कर्ज की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख प्रति इकाई कर दी गई है। नया प्रशिक्षण प्राप्त करने की इंटर्नशिप पर सबसिडी भी दी जा रही है। लेकिन क्या इतना काफी है?

देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों को अभी भी उचित महत्व नहीं दिया जा रहा। शिक्षा बजट में केवल सवा लाख करोड़ रुपये और सेहत पर केवल 89 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। यह युवा शक्ति को स्वस्थ–शिक्षित नागरिक बनाने हेतु काफी नहीं है।

शिक्षाविदों के अनुसार, पुरानी शिक्षा पद्धति से निकले हुए 75 प्रतिशत ग्रेजुएट्स नई डिजिटल व्यवस्था में नौकरी के योग्य नहीं हैं। इसलिए, युवा शक्ति को अपनी डिग्री से कहीं नीचे के काम करने के लिए समझौता करना पड़ता है। देश में काम देने में असंगठित क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान रहा है, लेकिन डिजिटलीकरण के साथ असंगठित क्षेत्र भी बिखरता नजर आ रहा है। जरूरी है कि बेरोजगारों के संघर्ष को बेहतर ढंग से समझा जाए और बदलते समय की मांगों के अनुसार युवा शक्ति को प्रशिक्षित करके उसे सही दिशा में कार्यशील बनाया जाए।

—लेखक साहित्यकार हैं।

कोटे के अंदर कोटे का सुप्रीम निर्णय

—डॉ. आशीष वशिष्ठ—

सुप्रीम कोर्ट की 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एक अहम फैसले में यह साफ कर दिया है कि राज्यों को आरक्षण व्यवस्था में कोटे के भीतर भी कोटा बनाने का अधिकार है। यानी राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में भी आरक्षण के लिए अलग–अलग श्रेणियां बना सकती हैं। यह अधिकार अभी तक राष्ट्रपति के पास ही सुरक्षित था। संसद में ही प्रस्ताव पारित कर, किसी भी जाति को, आरक्षण के दायरे में लाया जा सकता था अथवा जाति को आरक्षण से बाहर भी किया जा सकता था।

इस फैसले के बाद इन वर्गों में हाशिए पर पड़ी जातियों को आरक्षण का फायदा मिलने की उम्मीद है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह बात भी लगातार उठाई जा रही थी कि समुचित अवसर नहीं मिलने के कारण आरक्षित अजा–जजा वर्ग में भी ऐसी कई जातियां हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ेपन से उबर नहीं पा रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय पर राजनीतिक दल, सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य समूह दो भागों में बंटते दिखाई दे रहे हैं। राजनीतिक दल अपने नफे नुकसान के हिसाब से इस फैसले पर बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपा और कांग्रेस जैसे बड़े दलों ने इस मुद्दे पर लगभग चुप्पी साध रखी है। राजनीतिक चश्मे से इतर देखें तो संविधान पीठ का फैसला सामाजिक न्याय के लिए 'मील का पत्थर' साबित हो सकता है।

वर्तमान में दलित और आदिवासियों को शिक्षा और नौकरियों में क्रमशरू 15 फीसदी और 7.5 फीसदी आरक्षण हासिल है। संविधान पीठ के दो कथन महत्वपूर्ण हैं। एक, एससी–एसटी के कोटे में कुछ जातियों का उप–वर्गीकरण करने से संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 341 का उल्लंघन नहीं होता। समानता का सिद्धांत यथावत रहेगा। दूसरे, आरक्षण एक पीढ़ी तक सीमित कर देना चाहिए। यदि पहली पीढ़ी आरक्षण का लाभ लेकर उच्च स्थिति तक पहुंच गई है, तो दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई ने एससी–एसटी पर भी, ओबीसी की तरह, 'क्रीमीलेयर' लागू करने की बात कही है। यह विवादास्पद मुद्दा बन सकता है। आरक्षण के आधार पर जो दशकों से राजनीति करते आ रहे हैं अथवा आरक्षण के कारण ही राजस्थान की एक खास जाति में पीढ़ी–दर–पीढ़ी आईएएस अफसर बनते रहे हैं, वे अपने हिस्से को बंटने क्यों देंगे?

अनुसूचित जाति समूह के भीतर जातियों को आरक्षण के लाभ से वंचित करने का इतिहास दशकों पुराना है। वर्ष 1960 में कोटे के अंदर कोटा की मांग आंध्र प्रदेश में उठी थी, जो कई सालों तक चली। इसके बाद 1997 में तब की आंध्र प्रदेश सरकार ने न्यायमूर्ति पी रामचंद्र राजू आयोग का गठन किया, जिसने कहा था कि आरक्षण का लाभ बड़े पैमाने पर अनुसूचित जातियों के बीच एक विशेष जाति के पास गया है और इसलिए, एससी को चार समूहों में वर्गीकृत करने की सिफारिश की।

1998 में तत्कालीन आंध्र प्रदेश सरकार ने अनुसूचित जातियों में एक सब कैटेगरी बनाने का एक प्रस्ताव पास किया। 2001 में यूपी सरकार ने हुकुम सिंह समिति का गठन किया, जिसने कहा कि आरक्षण का लाभ सबसे अधिक वंचित वर्गों के लोगों तक नहीं पहुंचा है। इसमें कहा गया कि यादवों को अकेले नौकरियों का अधिकतम हिस्सा मिला है। इस समिति ने भी एससीध्ओबीसी की सूची की सब कैटेगरी बनाने की सिफारिश की थी। 2005 में कर्नाटक सरकार ने न्यायमूर्ति एजे सदाशिव पैनल की स्थापना की, जिसमें ै जातियों के बीच उन जातियों की पहचान करने पर जोर दिया गया, जिन्हें कोटा से लाभ नहीं मिला। पैनल ने 101 जातियों को चार श्रेणियों में विभाजित करने की सिफारिश की।

2006 में तब की केंद्र सरकार ने सब कैटेगरी के लिए एक पैनल बनाने का निर्णय लिया। 2007 में उषा मेहरा को इस पैनल का अध्यक्ष बनाया गया। 2007 में ही बिहार के महादलित पैनल ने भी ऐसी सिफारिशें की। इसमें कहा गया कि एससी की 18 जातियों को अत्यंत कमजोर जातियों के रूप में माना जाना चाहिए। 2008 में उषा मेहरा ने केंद्र को रिपोर्ट सौंपी। 2009 में यूनाइटेड आंध्र प्रदेश से सीएम वाईएस राजशेखर रेड्डी ने केंद्र को पत्र लिख इसे संवैधानिक गारंटी देने की मांग की।2014 में तेलंगाना के बनने के बाद केसीआर ने एक प्रस्ताव पास कर केंद्र से सब कैटेगरी बनाने की मांग की। 2023 में सिकंदराबाद की एक सभा में पीएम मोदी ने कहा कि वो कोटे के अंदर कोटे का समर्थन करेंगे। 1 अगस्त 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने अपना ऐतिहासिक फैसला सुनाया है।

ताजा फैसला पंजाब का है। दरअसल पंजाब सरकार ने 2006 में कानून बनाया था कि राज्य में एससी–एसटी आरक्षण में 50 फीसदी आरक्षण, पहली प्राथमिकता के तहत, वाल्मीकि और मजहबी सिखों को मिलेगा। पंजाब उच्च न्यायालय ने 2010 में इसे रद्द कर दिया था। उसके खिलाफ पंजाब सरकार सर्वोच्च अदालत पहुंची थी। इन तमाम संदर्भों में पीठ ने अलग–अलग अनुच्छेद की व्याख्या स्पष्ट की है और राज्यों के अधीन उप–वर्गीकरण का फैसला दिया है। डाटा के आधार पर यह कोटा बदलता रहेगा। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी एक वर्ग को 100 फीसदी आरक्षण न दे दिया जाए। राज्य सरकारें मर्जी से उप–वर्गीकरण नहीं बना

स्कूल में दिन का बना छोला रात में पूड़ी संग खिला दिया, 80 बच्चों की तबीयत खराब, मचा हड़कंप

संवाददाता–देवरिया। बरियारपुर क्षेत्र के मेहरौना में संचालित पंडित दीन दयाल उपाध्याय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज के करीब 80 छात्रों की तबीयत सोमवार की सुबह खराब हो गई। कुछ बच्चे पेट दर्द, कुछ उल्टी और कुछ चक्कर आने की शिकायत कर रहे थे। एक साथ इतने बच्चों की तबीयत खराब होने से स्कूल में हड़कंप मच गया। सूचना पर क्षेत्रीय विधायक, सीओ, सीएमओ खुद मेडिकल टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। लगभग दो दर्जन बच्चों की हालत गंभीर देख उन्हें एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भेजवाया गया। वहीं, अन्य को स्कूल में ही दवा दी जा रही थी, जहां उनका इलाज चल रहा है। उन्हें भी एंबुलेंस मेडिकल कॉलेज की तैयारी की जा रही थी।

राजकीय आश्रम पद्धति इंटर कॉलेज मेहरौना में कुल 326 छात्र नामांकित हैं। यहां कक्षा 6 से 12 तक की पढ़ाई होती है। रविवार की रात से खाना खाने के बाद कुछ बच्चों को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, चक्कर व कंपकपी की शिकायत मिली। इसके बाद स्कूल प्रबंधन कुछ दवा देते हुए उन्हें आराम करने की सलाह दी और सुबह दिखाने की बात कह सुला दिया। इधर, सोमवार की सुबह लगभग पांच दर्जन से अधिक बच्चें फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए।

इससे अफरा–तफर का माहौल कायम हो गया। देखते ही देखते दोपहर तक इनकी संख्या 80 के करीब पहुंच गई। बच्चों की तबीयत खराब होने से स्कूल में हड़कंप मच गया। प्रधानाचार्य सूर्यकांत राय ने इसकी जानकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी जैसवार लाल बहादुर को दी।

समाज कल्याण अधिकारी ने मामले से सीएमओ को अवगत कराया। जानकारी मिलते ही सीएमओ मेडिकल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इधर सूचना पर विधायक सुरेंद्र चौरसिया, सीओ दीपक शुक्ला, एसओ बरियारपुर डॉ महेंद्र कुमार भी दलबल के साथ मौके पर पहुंच बच्चों को उपचार मुहैया कराने में जुटे रहे।

दोपहर बात तक बच्चों की स्थिति नियंत्रित नहीं होने पर लगभग दो दर्जन बच्चों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। वहीं, अन्य बच्चों की भी हालत गंभीर देख मेडिकल भिजवाने की तैयारी की जा रही थी। सूचना पर एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी, फूड इंस्पेक्टर भी दलबल के साथ पहुंच गए।

फूड इंस्पेक्टर ने कहा कि फूड प्वाइजनिंग का शिकार अधिकांश बच्चे है। कुछ वायरल का भी शिकार है। बच्चों में पेट दर्द और उल्टी की शिकायत की थी। मौके पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पहुंचकर जांच किया सभी बच्चों की तबीयत ठीक है। फूड प्वाइजिनिंग का शिकार बच्चों से जब खानपान के बारें में जानकारी ली गई तो बच्चों ने कहा कि रात में पूड़ी व छोला खाए थे। दिन में बने छोला को रात में पूड़ी के संग खिलाया गया है। बच्चों ने कहा कि छोला खाने के बाद से तबीयत बिगड़ने लगी। एक–एक कर बच्चे रात से बीमार पड़ने लगे। सुबह होते होते इनकी संख्या में इजाफा हो गया। इधर, फूड प्वाइजिनिंग का मामला आने के बाद विद्यालय प्रशासन में खलबली मची हुई है। अफरा–तफरी का माहौल कायम है।

हेलीपैड पर सीएम की स्वागत सूची से नाम गायब, भाजपाइयों ने जताई नाराजगी

संवाददाता–गोण्डा। सीएम योगी आदित्यनाथ के पहुंचने के पहले वहां पार्टी के अंदर हंगामा मच गया। मंडलीय समीक्षा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों से मुलाकात का समय भी तय किया था। इससे भाजपा नेता भी मौके पर पहुंच गये। सर्किट हाउस में तय मुख्यमंत्री की बैठक में जाने लगे तो रोक दिया गया। जिससे भाजपा नेता खफा हो गए। सर्किट हाउस के सामने सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश राय चंदानी, सोनी सिंह समेत कई पदाधिकारी धरने में शामिल रहे। धरने पर बैठे भाजपा नेताओं को विधायक मेहनौन विनय कुमार द्विवेदी व करनैलगंज विधायक अजय सिंह मनाने की कोशिश की। वह लोग भी पार्टी नेताओं को बैठक में शामिल कराने का भरोसा नहीं दे सके। इससे बात बिगड़ते गई। भाजपा पदाधिकारी मुख्यमंत्री से मिलने पर अड़े रहे। इसी बीच मामले की जानकारी जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को हुई, उन्होंने पार्टी नेताओं को बताया कि वह लोग बैठक में शामिल नहीं हो सकते हैं। इसके बाद भाजपा के पदाधिकारी मौके से लौट गये। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री से नहीं मिलने दिया गया। वह लोग अपने घर जा रहे हैं।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह भी मुख्यमंत्री की बैठक में शामिल नहीं हो पाये। उन्हें भी सर्किट हाउस के बाहर से वापस कर दिया गया। गोंडा के निवासी वैभव सिंह भाजयुमो राष्ट्रीय महामंत्री हैं और पार्टी के कद्दावर नेता रहे स्वर्गीय सत्यदेव सिंह के बेटे हैं। वह दिल्ली से गोंडा आए थे और मुख्यमंत्री के बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। उन्हें भी बैरंग वापस लौटना पड़ा। बताया जा रहा है कि वैभव सिंह की संगठन में गहरी पैठ है, इसके बाद भी उन्हें मुख्यमंत्री की बैठक में शामिल होने की इजाजत न मिलने से भाजपा पदाधिकारी भी भौचक्के रहे। उनकी दशा देखकर कई भाजपा नेता उल्टे पांव लौट पड़े। समझ गये कि उनकी इंट्री संभव नहीं है।

सीएम योगी ने किया 13 विभागों के कार्यों की समीक्षाः देखा मेडिकल कालेज के निर्माण की प्रगति

संवाददाता–गोण्डा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोंडा के सर्किट हाउस में जनप्रतिनिधियों से मुलाकात के बाद बैठक की। इस दौरान अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने जनहित से जुड़े 13 विभागों के कार्यों की प्रगति को देखा। इस दौरान देवीपाटन मंडल के चारों जिलों के लोकसभा क्षेत्रों के सांसद, विधायक और सभी जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ 27 जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशिभूषण लाल सुशील, डीआईजी अमरेन्द्र प्रसाद सिंह, डीएम नेहा शर्मा व एसपी विनीत जायसवाल, सीडीओ एम. अरुनमोली रहे। जिलाधिकारी नेहा शर्मा सुबह से ही तैयारियों पर नजर बनाए रखीं। सीएम का उड़नखटोला गोंडा में सुबह 10.40 बजे उतरा। समीक्षा में बाढ़ नियंत्रण, गोशाला, पंचायतीराज, आवास, राजस्व व बेसिक व माध्यमिक विभाग समेत कुल 13 विभागों की महत्वपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे। इसके लिए जिलाधिकारी नेहा शर्मा व सीडीओ एम. अरुनमोली की ओर से अधिकारियों को जरूरी दिशा–निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि योजना के बावत पूछे जाने पर इधर–उधर की बात करने के बजाय बिंदुवार स्पष्ट जानकारी दें। इसकी सभी अधिकारी तैयारी कर लें। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ सर्किट हाउस में भी जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने जिले के निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों का कहना है कि लगभग 93 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वहीं कार्यदायी संस्था के 281 के सापेक्ष 264 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। जबकि 230 करोड़ रुपये कार्यदायी संस्था ने खर्च किया है। इस तरह से मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो गया। जबकि हास्पिटल स्तर पर काम चल रहा है।

कमजोर छात्रों को प्रदान करें उपचारात्मक शिक्षा

संवाददाता–श्रावस्ती। कमजोर छात्र छात्राओं को मजबूत बनाने के लिए राजकीय बालिका इण्टर कालेज भिनगा में उपचारात्मक शिक्षण माड्यूल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण पांच दिनों तक चलेगा। जिसमें राजकीय व अशासकीय सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ सोमवार को जिला विद्यालय निरीक्षण मिथिलेश कुमार व सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी रविकांत सिंह ने द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ने कहा कि विद्यालय में कक्षा नौ व 10 में हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान तथा कक्षा 11 व 12 में अंग्रेजी, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान के कमजोर विद्यार्थियों को चिन्हित कर उपचारात्मक शिक्षण प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जो शिक्षक यहां पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है वह अपने विद्यालय के कमजोर छात्रों को उपचारात्मक शिक्षा देकर उन्हें मजबूत करेंगे। जिससे वह अन्य छात्र–छात्राओं के साथ चल सकें। राजकीय व अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के हिन्दी और अंग्रेजी के सहायक अध्यापकों को मास्टर ट्रेनर की ओर से लगातार पांच दिनों तक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। डीआईओएस ने बताया कि प्रशिक्षण नौ अगस्त को समाप्त होगा। इस मौके पर राजकीय बालिका इण्टर कालेज भिनगा की प्रधानाचार्य डा भावना तेवतिया, राजीय इंटर कालेज गब्बापुर के प्रधानाचार्य डा हरि प्रताप त्रिपाठी, डायट प्रवक्ता ओम प्रकाश यादव, गिरीश प्रसाद, मिश्र आदि मौजूद रहे।

करंट की चपेट में आए व्यक्ति की हुई मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। एक व्यक्ति नहाने के लिए टिल्लू पम्प चलाने को स्विच आन करने लगा। स्विच आन करते ही वह करंट की चपेट में आ गया। इससे उसकी घटनस्थल पर ही मौत हो गई।

हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के बदला पुलिस चौकी स्थित रानीसीर निवासी फारुख खान (38) पुत्र तस्वर सोमवार सुबह नहाने जा रहा था। नहाने के लिए उसने घर के पीछे लगे टिल्लू पम्प को चालू करने लगा। मोटर का स्विच आन करते ही फारुख करंट की चपेट में आ गया। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि फारुख मुंबई में रहकर मजदूरी करता था। मोहर्रम के त्योहार पर घर आया था। मृतक के दो पुत्र व तीन पुत्रियां हैं। उसकी मौत के बाद इन बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया। पत्नी व बच्चों को रो रोकी हाल बेहाल है।

समय से नहीं मिलता वेतन, कलम बन्द हड़ताल करेंगे कर्मचारी

संवाददाता–श्रावस्ती। समय से वेतन मिलने से भूमि संरक्षण अनुभाग के कर्मचारियों में आक्रोश है। कर्मचारियों ने उप कृषि निदेशक को पत्र भेजकर समय से वेतन दिलाए जाने की मांग की है। साथ ही वेतन न मिलने पर कलम बंद हड़ताल का निर्णय लिया है।

उप कृषि निदेशक को भेजे गए पत्र में कर्मचारियों की ओर से कहा गया है कि भूमि संरक्षण अनुभाग का चार्ज इस समय जिला कृषि अधिकारी अनिल कुमार के पास है। उनकी ओर से कर्मचारियों का वेतन समय से नहीं निकाला जाता है। वेतन के लिए मान मनौव्वल करनी पड़ती है। वह कर्मचारियों के साथ सौतेला व्यवहार करते हैं। जिला कृषि अधिकारी कार्यालय में तैनात कर्मचारियों व खुद का वेतन समय से माह की एक तारीख को ले लिया जाता है। साथ ही कर्मचारियों ने प्रभारी भूमि संरक्षण अधिकारी (जिला कृषि अधिकारी) पर यह भी आरोप लगाया है कि प्रत्येक शनिवार व रविवार को जिला मुख्यालय से गायब रहते हैं।

जिसकी कोई सूचना कार्यालय में उपलब्ध नहीं रहती है। समय से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारी अपना व अपने परिवार का भरण पोषण ठीक ढंग से नहीं कर पा रहे हैं और राजकीय कार्य करने की क्षमता भी प्रभावित हो रही है। यूपी एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट मिनिस्ट्रियल सर्विस एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष महेन्द्र प्रताप सिंह ने उपकृषि निदेशक को पत्र के माध्यम से सूचित करते हुए कहा कि मंगलवार को भूमि संरक्षण अनुभाग के कर्मचारियों ने सुबह दस बजे से कलम बन्द हड़ताल करने का निर्णय लिया है। साथ ही बुधवार को जिलाधिकारी को समस्या से सम्बन्धित ज्ञापन सौंपेंगे।

हिंदूधाम में विश्व कल्याण के लिए हुआ रामार्चा पूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
अयोध्या। अयोध्या जहां एक तरफ सावन में बोल बम के जयकारे से गूंजायमान रहती है वहीं सोमवार को मानवता के साथ विश्व एवं राष्ट्र कल्याण के लिए सोमवार को नयाघाट स्थित प्रसिद्ध हिंदूधाम में रामार्चा पूजन हुआ। श्रीरामार्चा पूजन को हिंदूधाम ब्रह्मर्षि डॉ. रामविलास दास वेदांती महाराज ने अपना सानिध्य प्रदान किया। सर्वप्रथम आश्रम में विराजमान भगवान श्रीसीताराम का भोग लगाकर आरती–पूजन किया गया। उसके बाद विधि–विधान पूर्वक रामार्चा पूजन संपन्न हुआ और तदुपरांत वशिष्ठ पीठाधीश्वर महंत डॉ. राघवेश दास वेदांती महाराज ने उपस्थित साधु–संतों और भक्तजनों को रामार्चा पूजा की कथा विस्तार पूर्वक सुनाई और प्रवचन दिया, कथा के समापन उपरांत श्रीरामार्चा भगवान की दिव्य आरती उतारी गई। अंत में सभी को श्रीरामार्चा का प्रसाद वितरित हुआ। प्रसाद पाकर भक्तगण धन्य हुए। उन्होंने अपना जीवन सार्थक बनाया। आज ही के दिन 5 अगस्त को धारा 370 केंद्र सरकार ने समाप्त किया था और डॉ राघवेश दास वेदांती को वशिष्ठ पीठाधीश्वर बनाया गया था और विश्व कल्याण के लिए रामार्चा पूजन किया गया। इस अवसर पर वशिष्ठ भवन पीठाधिपति महंत राघवेश दास वेदांती महाराज ने कहा कि श्रावण शुक्ल प्रतिपदा पर मंदिर प्रांगण में रामार्चा पूजन का आयोजन हुआ। पूजन में साधु–संत से लेकर आश्रम से जुड़े हुए भक्तगण सम्मिलित हुए। जिन्होंने पूरे श्रद्धा भाव के साथ श्रीरामार्चा भगवान के प्रति अपनी आस्था और श्रद्धा निवेदित की। पवित्र श्रावण मास का महीना चल रहा है। सावन के तीसरे सोमवार पर भोलेनाथ के साथ–साथ प्रभु श्रीराम का भी भक्तों ने पूजन किया। वेदांती ने कहा कि विश्व एवं राष्ट्र कल्याण के लिए यह धार्मिक अनुष्ठान आयोजित हुआ। जिससे सभी में विश्व बंधुत्व की भावना बनी रहे।इस मौके पर यजमान के रूप में राठौर समाज के पूर्व अध्यक्ष अनिल राठौर, योगाचार्य रोशन जी मौखडे, श्यामराव बारस्कर, प्रकाश साहू, धनराज, मधु राठौर, सुरेश आदि उपस्थित रहे।

पंचायत उपचुनाव में आज डाले जाएंगे वोट, बूथों पर पहुंची पोलिंग पार्टियां

संवाददाता–बहराइच। त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव के लिए मंगलवार को चार ब्लॉकों के 14 बूथों पर चार ग्राम प्रधान व एक सदस्य क्षेत्र पंचायत पद के लिए वोट डाले जाएंगे। इसके लिए सोमवार को सभी बूथों पर देर शाम पोलिंग पार्टियां पहुंच गईं। सुबह सात बजे से मतदान की प्रक्रिया बूथों पर शुरू हो जाएगी, जो शाम छह बजे तक चलेगी। उपचुनाव के लिए भी हर बूथ पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। प्रत्याशी व एजेंट के अलावा अंदर प्रवेश पर पाबंदी रहेगी।

जिले के जरवल, नवाबगंज, हुजूरपुर व विशेश्वरगंज ब्लॉक में चार प्रधान व एक बीडीसी सदस्य पद के लिए उपचुनाव हो रहा है। जरवल के ग्राम पंचायत सूसी, नवाबगंज के रामपुर हुसैनबक्श, विशेश्वरगंज के रनियापुर गोबरही व हुजूरपुर के ग्राम पंचायत मोहम्मदपुर में प्रधान पद जबकि नवाबगंज के मिर्जापुर चलहवा में सदस्य ग्राम क्षेत्र पंचायत पद पर उपचुनाव हो रहा है। बीडीसी पद पर 1854 व प्रधान पद पर 7358 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर प्रधान का चुनाव करेंगे। इस तरह पांच पदों के लिए हो रहे उपचुनाव पर कुल 9212 मतदाताओं की ओर से वोट डाले जाएंगे। इसके लिए सोमवार को ब्लॉक मुख्यालयों से पोलिंग पार्टियां रवाना की गई हैं, जो देर शाम बूथों पर पहुंच गई। उपचुनाव में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पल–पल की खबर को लेकर कंट्रोल रूम बनाया गया है। जोनल अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर उपचुनाव की शुचिता को परखेंगे। त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव में सुरक्षा संग आयोग के नियमों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। डीएम मोनिका रानी की ओर से सख्त निर्देश दिए गए हैं। बूथ से लगभग 200 मीटर दूर ही प्रत्याशियों के समर्थक रहेंगे। इसके लिए सुरक्षा में लगे कर्मियों को एसपी वृंदा शुक्ला की ओर से जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

मोनिका रानी, डीएम ने कहा कि पंचायत उपचुनाव शुचितापूर्ण माहौल में निपटाए जाएंगे। आयोग के नियमों के अनुसार चुनाव कराने को सख्त निर्देश दिए गए हैं।

जिससे बेंइता मोहब्बत उसी को मार डाला, प्रेमिका का सिर और हाथ काटकर नहर में फेंका

संवाददाता–बहराइच। नानपारा इलाके के हाड़ा बसेहरी गांव में दो हफ्ते पहले एक युवती की सिर कटी लाश मिली थी। एसपी वृंदा शुक्ला ने इसके खुलासे को नानपारा व स्वाट को जिम्मेदारी दी थी। इस संयुक्त टीम की कमांड प्रशिक्षु सीओ हर्षित त्रिपाठी को दी गई थी। सीओ युवती के पैर में बंधे काले धागे के सहारे तह तक पहुंची। युवती की हत्या में शामिल दो कातिलों को धर दबोचा। उनकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त बोगदा और खून सने कपड़े बरामद किए गए। हत्या की वजह युवती का युवक पर शादी का दबाव बनाना रही।

एसपी वृंदा शुक्ला ने बताया कि रुपईडीहा थाने के जमोग गांव के रहने वाले हसमत अली के यहां उनकी भांजी शीबा लंबे समय से रह रही थी। 21 जुलाई को वह अचानक लापता हो गई। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। इसी दौरान बीती 23 जुलाई को नानपारा कोतवाली के हाड़ा बसेहारी गांव में एक युवती का अर्ध नग्न अवस्था में शव मिलने से हड़कंप मच गया था, उसका सिर गायब था। एसपी ने घटना का खुलासा करने के लिए नानपारा एसएचओ प्रदीप कुमार सिंह के कमांड में एक टीम, एसओजी प्रभारी दिवाकर तिवारी के कमांड में दूसरी टीम, सर्विलांस के निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के कमांड में तीसरी टीम को लगाया था।

इन तीनों टीमों की कमांड प्रशिक्षु सीओ हर्षिता त्रिपाठी को सौंपी। मिसिंग की तहकीकात में शीबा की पहचान हुई। टीम को फिर तहकीकात में धड़ल्ले से क्लू मिले। संयुक्त टीम ने नानपारा कोतवाली के जगरनाथ पुलिया पर दबिश दी। पुलिस ने श्रावस्ती जिले के मल्हीपुर थाने के मल्हीपुर खुर्द निवासी अरुण सैनी, रुपईडीहा थाने के गंगापुर निवासी कुलदीप विश्वकर्मा को धर दबोचा। दोनों ने गला दबा कर हत्या के बाद सिर व हाथ काटकर गायब किए जाने, मृतका के कपड़े उतार लिए जाने की वारदात कबूली। साथ ही सरयू में फेंके गए रक्त रंजित कपड़े बरामद कराए। दोनों के पास से एक बाइक, दो मोबाइल बरामद किए।

पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला ने बताया कि शीबा का अरुण से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों परिवार इसका विरोध भी करते थे, लेकिन इनका संबंध नहीं छूटा। काफी समय से शीबा अरुण से शादी के लिए कह रही थी, लेकिन वह राजी नहीं था। इसी वजह से उसने कुलदीप की मदद से युवती की पहले गला दबाकर हत्या की, उसके बाद पहचान न हो सके इसलिए उसका सिर काटकर पानी में फेंक दिया था।

कोई भी फरियादी कभी भी कर सकता है शिकायत

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने सोमवार को गाड़ी से उतर कर लोगों की फरियाद सुनी। सोमवार को जन शिकायत के दौरान डीएम ने लोगों की शिकायत सुनी। इसके साथ ही गाड़ी में बैठने जा रहे थे। इसी बीच कुछ और फरियादी आ गए। तो फरियादियों को देख कर डीएम गाड़ी से उतर गए और फरियादियों की शिकायत सुनने लगे और लोगों को आश्वासन दिया कि शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई होगी। कोई भी फरियादी कभी भी शिकायत कर सकता है। उनके दरवाजे 24 घंटे खुले रहेंगे। इस दौरान कुल 13 शिकायतें मिलीं। जिस पर संबंधित अधिकारियों को गंभीरता से निस्तारित करने का निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि किसी भी शिकायत में लापरवाही मिली तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

पूर्वाचार्य महंत विमला बिहारी को संतों ने किया नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
अयोध्या। पूर्वाचार्य महंत विमला बिहारी शरण महाराज संत एवं गौ सेवी होने के साथ–साथ भजनानंदी संत रहे। संतत्व तो उनमें देखते ही झलकता था। उनका व्यक्तित्व बड़ा ही उदार रहा। वह विलक्षण प्रतिभा के धनी संत थे। सेवा को ही अपना धर्म माना। आजीवन सेवा कार्यों से जुड़े रहे। उनके मार्गदर्शन में कई सेवा के कार्य संचालित भी हुए, जिनमें बहुत से सेवा कार्य आज भी चल रहे हैं। उन्होंने अपने शिष्य–अनुयायियों एवं परिकरों को सेवा कार्य करने हेतु प्रेरित किया और सेवा का पाठ पढ़ाया। जीवन भर सेवा ही परमोधर्मा के मार्ग पर चलते रहे। उक्त बातें रामनगरी के ऋणमोचन घाट चौराहा स्थित रसिकोपासना की प्रसिद्ध पीठ विमला कुंज के वर्तमान पीठाधीश्वर गौतम शरण ने कही। उन्होंने बताया कि मठ में सोमवार को गुरुदेव की नौवीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। महाराज श्री ने अयोध्यानगरी में एक विशाल आश्रम का कार्यभार संभाला। उसका कुशल संचालन एवं सर्वांगीण विकास किया। वह हम सबके बीच में नहीं हैं। लेकिन उनकी यश व कीर्ति सदैव हम लोगों के साथ रहेगी। मठ में ठाकुरजी की संग गौ, संत, विद्यार्थी, अतिथि सेवा सुचारु रूप से चल रही है। समस्त उत्सव, समैया, त्यौहार परंपरागत रूप से मनाया जा रहा है। मंदिर अपने उत्तरोत्तर समृद्धि की ओर अग्रसर है। मंदिर के वर्तमान महंत ने आए हुए संत–महंतों का स्वागत–सत्कार किया। इससे पहले मठ प्रांगण में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई। सभा में अयोध्याधाम के संत–महंतों ने साकेतवासी महंत विमला बिहारी शरण महाराज के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। संतों ने पूर्वाचार्य के कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। पुण्यतिथि पर रामनगरी के सभी संत–महंत एवं मंदिर से जुड़े हुए बिहार, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत अन्य प्रदेशों के भक्तजन उपस्थित रहे।

हर हर शंभू से गूंजे जिले के शिवालय, श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

संवाददाता–बलरामपुर। सावन मास के तीसरे सोमवार को जिले के विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। भोर से ही श्रद्धालु देवाधि देव महादेव को जलाभिषेक करने के लिए मंदिर परिसरों में कतारबद्ध हो गए। लोगों ने परम्परागत तरीके से बेलपत्र, भांग, धतूर, अक्षत, दूध, शहद आदि का जलाभिषेक कर भगवान शिव का विधिवत पूजन अर्चन किया। महिलाओं व युवतियों ने व्रत रखकर भोलेनाथ की आराधना की। नगर के झारखंडी महादेव मंदिर व पचपेड़वा के शिवगढ़ धाम तथा उतरौला के ऐतिहासिक दुरुखहरन नाथ मंदिर में सोमवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। हर हर महादेव के जयकारों से वातावरण भक्तिमय दिखा। मंदिरों में सुरक्षा के मद्देनजर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रही।

सावन मास भगवान शिव के आराधना के लिए विशेष तौर पर जाना जाता है। सोमवार को इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। कहा जाता है कि सावन के सोमवार का व्रत रखने से मनवांछित कामना पूरी होती है। सुहागिन महिलाओं को सौभाग्यवती होने का आशीष प्राप्त होता है और पति को लंबी आयु प्राप्त होती है। वहीं अगर कुंवारी कन्याएं ये व्रत रखें तो उन्हें सुयोग्य वर की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि भगवान शिव की पत्नी देवी सती ने जब अपने पिता के घर पर अपने पति शिव का अपमान होते देखा तो वह बर्दाश्त नहीं कर पाईं और राजा दक्ष के यज्ञ कुंड में उन्होंने अपना शरीर त्याग दिया। इसके बाद माता सती ने हिमालय पुत्री पार्वती के रूप में जन्म लिया। पार्वती के रूप में भी उन्होंने भगवान शिव को ही अपना वर चुना और उन्हें प्राप्त करने के लिए कठोर तप किया। कहा जाता है कि सावन के महीने में ही शिव जी उनके तप से प्रसन्न होकर प्रकट हुए थे और उन्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया था। चूंकि सोमवार का दिन महादेव व पार्वती को समर्पित होता है। ऐसे में उनके पवित्र माह सावन में पड़ने वाले सोमवार का महत्व अधिक बढ़ जाता है। यह भी मान्यता है कि जो शिव भक्त सोमवार को व्रत नहीं रखते वह भी सावन सोमवार का व्रत जरूर रखते हैं।

जयंती पर याद किए गए जनेश्वर मिश्र

संवाददाता–गोण्डा। सपा ने महान चिंतक नेश्वर मिश्र एवं पंडित हरिशंकर तिवारी की जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन कर उनके चित्र पर फूल मालाअर्पित कर उन्हें याद किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरफराज हुसैन सोनू ने कहा कि छोटे लोहिया आम आदमी की बात को बुलंद करते थे। उनसे जुड़ी समस्याओं के लिए हमेशा लड़ते रहे। जिससे उनकी कमी आज समाज में लोगों को खल रही है। उनकी ईमानदारी और कर्तव्य निष्ठा एक मिसाल है। पूर्व विधायक बैजनाथ दुबे ने कहा कि उन्होंने समाजवादी विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का काम किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उनके पद चिन्हों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर शहान अख्तर, सिद्धार्थ सिंह, जयचन्द सिंह, जेपी श्रीवास्तव, डॉ. आसिफ परवेज, जावेद मंटू, राजेश दीक्षित, फहीम भाई समसाद, सिद्धार्थ सिंह मोनू, मोहम्मद अफजल खां, राजेश यादव, मेराज, सोमनाथ तिवारी, पूर्व प्रधान कायम अली,राजू शाह, बृजेश यादव आदि मौजूद रहे।

अयोध्या दुष्कर्म मामलाः पीड़िता की हालत बिगड़ी, अयोध्या से लखनऊ रेफर, क्वीन मैरी अस्पताल में कराया गया भर्ती

संवाददाता–अयोध्या। जिला महिला अस्पताल में भर्ती दुष्कर्म पीड़िता को संसाधनों के अभाव में अग्रिम इलाज के लिए केजीएमयू रेफर कर दिया गया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच एंबुलेंस से सीएमओ डॉ. संजय जैन पीड़िता को लेकर लखनऊ के लिए रवाना हुए हैं। भदरसा दुष्कर्म कांड की पीड़िता हैवानियत की शिकार होकर गर्भवती हो गई है। उसे इलाज के लिए महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन यहां विशेषज्ञ व आवश्यक संसाधनों की कमी के कारण चिकित्सकों ने उसके बेहतर इलाज के लिए केजीएमयू लखनऊ भेजने की संस्तुति की थी। सीएमओ डॉ. संजय जैन सुबह से अस्पताल परिसर में मौजूद रहे। कई राउंड की मंत्रणा और बाल कल्याण समिति के निर्देश पर उन्होंने बालिका को लखनऊ के लिए रेफर कराया। भाजपा जांच दल ने पीड़िता की मां से बात की। इसपर उन्होंने बताया कि अब भी आरोपी सपा नेता मोईद खान के समर्थक धमकी दे रहे हैं। समझौते का दबाव बना रहे हैं। हमें बहुत डर लग रहा है। इस पर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री व भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप ने कहा कि धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। योगी सरकार ऐसा करने वालों को नहीं छोड़ेगी। राज्यसभा सांसद बाबूराम निषाद ने परिवार को आश्वस्त किया कि आप निश्चिंत रहें। मेरा नंबर लें। कोई धमकाए तो सीधे मुझे बताएं। दल के सदस्य जिला महिला अस्पताल पहुंचे और पीड़िता का हाल जाना। उसे ढांढस बंधाया। इसके बाद सर्किट हाउस में प्रशासन और पुलिस अफसरों के साथ बैठक कर अब तक की कार्रवाई की जानकारी ली। नरेंद्र कश्यप ने कहा कि दुष्कर्म पीड़िता को न्याय के साथ दोषियों को फांसी दिलाएंगे। इस जघन्य घटना में शामिल लोग बच नहीं पाएंगे। योगी सरकार उन्हें मिट्टी में मिलाकर ही दम लेगी। आरोपी की अवैध संपत्तियों की जांच की जा रही है। उनपर भी बुलडोजर चलेगा। राज्यमंत्री पीड़िता और उसके परिवार से मिलने के बाद सर्किट हाउस में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। आरोपी जेल में है। उसकी संपत्ति ध्वस्त कर दी गई है। परिवार को आर्थिक मदद भी दी गई। घटना का मुख्य आरोपी सपा का नगर अध्यक्ष फैजाबाद के सांसद अवधेश प्रसाद का बेहद करीबी है। उस पर कार्रवाई की बजाय सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव डीएनए टेस्ट की बात कर रहे हैं। यह शर्मनाक है। सपा ने अपना असली रूप दिखा दिया है। राज्यसभा सांसद संगीता बलवंत ने कहा कि भाजपा सरकार की नीति है कि पीड़ित किसी भी जाति या धर्म का हो, उसे हर हाल में न्याय मिलना चाहिए। अपराधी कितना भी रसूख वाला हो, उसे सजा मिलकर रहेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव कहते थे कि लड़के हैं, उनसे गलती हो जाती है। अब उसी पार्टी के मौजूदा अध्यक्ष डीएनए टेस्ट कराने की बात कर रहे हैं। किसी भी सूरत में अपराधी के साथ नहीं खड़ा होना चाहिए, चाहे वह हमारे दल का ही क्यों न हो।

हरिशंकर तिवारी की मूर्ति उनके गांव में लगे, जगह शासन तय करे –माता प्रसाद

संवाददाता–गोरखपुर। नेशनल पीजी कॉलेज में पूर्व मंत्री हरि शंकर तिवारी की जयंती पर आयोजित संगोष्ठी के अवसर पर नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने लोगों को संबोधित किया। कहा, आज ब्राह्मण समाज की हालत देख रहे हैं। हमें दूसरे वर्ग के लोगों को भी साथ लेकर शांति पूर्ण ढंग से बदलाव के लिए क्रांति लानी होगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अपनी ताकत बढ़ाएं, अब सभी लड़ाई यहीं से है, वरना हम विलुप्त हो जाएंगे। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि पूर्व मंत्री पंडित हरि शंकर तिवारी की प्रतिमा उनके गांव में ही स्थापित होनी चाहिए। जगह शासन तय करे। उन्होंने कहा कि वे जन नेता थे, सबको साथ लेकर चलते थे। उनकी प्रतिमा को न लगने देना निंदनीय है। इसका विरोध सदन में पूरे विपक्ष ने बेल में आकर किया। यही उनकी लोकप्रियता थी। नेता प्रतिपक्ष सोमवार को नेशनल पीजी कॉलेज में पूर्व मंत्री हरि शंकर तिवारी की जयंती पर आयोजित संगोष्ठी के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, आज ब्राह्मण समाज की हालत देख रहे हैं। हमें दूसरे वर्ग के लोगों को भी साथ लेकर शांति पूर्ण ढंग से बदलाव के लिए क्रांति लानी होगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अपनी ताकत बढ़ाएं, अब सभी लड़ाई यहीं से है, वरना हम विलुप्त हो जाएंगे। हरि शंकर तिवारी हमेशा सभी को साथ लेकर चलते थे, उनके विचारों पर चलें। यही संकल्प लेकर जाएं। अपने सोए भाव को जगाएं, तभी एक मुकाम बना पाएंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा चार सौ पार का सपना देख रही थी, अब बोलती बंद हो गई है। इसे यूपी में गठबंधन ने रोका, उसमें भी सपा सबसे ज्यादा सीट पाई। अखिलेश यादव ही भाजपा को यूपी में बेदखल कर सकते हैं।

जनपद के नौ केन्द्रों पर होगी पुलिस भर्ती परीक्षा

संवाददाता–संतकबीरनगर। पुलिस भर्ती परीक्षा जनपद में नौ केन्द्रों पर होगी। सभी केन्द्र शहर और उसके आस–पास ही बनाए गए हैं। परीक्षा 23 से 31 अगस्त के बीच दो पालियों में होगी। जिसको लेकर प्रशासन ने तैयारी तेज कर दी है। पुलिस विभाग के अधिकारी केंद्रों को परीक्षा के अनुरूप तैयार कराने में जुट गए हैं। सभी केन्द्रों पर सीसीटीवी को चेक किया जा रहा है। सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में आरक्षी भर्ती परीक्षा होगी। परीक्षा में कहीं कोई गड़बड़ी न हो इसको लेकर प्रशासन, पुलिस के साथ ही एटीएस भी पूरी तरह से सक्रिय रहेगी। जनपद में आयोजित होने वाले पुलिस भर्ती परीक्षा में परीक्षार्थियों की सुविधा को देखते हुए मुख्यालय से दस किलोमीटर के भीतर परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जिससे मॉनिटरिंग सख्ती के साथ की जा सके। 17 व 18 फरवरी को हुई परीक्षा पेपर लीक होने के बाद रद्द कर दिया गया था। अब पुलिस भर्ती परीक्षा का नया कार्यक्रम जारी हुआ है। पांच दिनों तक दो पाली में चलने वाली परीक्षा के लिए सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे से परीक्षार्थियों पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा समय से परीक्षा केंद्रों पर प्रश्नपत्र पहुंचाने की भी व्यवस्था की जा रही है। परीक्षा में लगभग 2646 अभ्यर्थी शामिल होंगे। पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए प्रशासन की तरफ से भी तैयारी चल रही है। पुलिस अभी से ही सतर्क है। केंद्र की व्यवस्था को चाक–चौबंद रखने के लिए जिला विद्यालय निरीक्षक लगातार तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। परीक्षा केंद्र के 200 मीटर के आसपास किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। केंद्र पूरी तरह से पुलिस के नियंत्रण में रहेगा। इसके अलावा मजिस्ट्रेट भी तैनात रहेंगे। डीआईओएस हरिश्चन्द्र नाथ ने बताया कि राजकीय कन्या इंटर कॉलेज खलीलाबाद, एचआर इंटर कॉलेज खलीलाबाद, एचआर पीजी कॉलेज खलीलाबाद, राजकीय आईटीआई कॉलेज चकदही, महामाया पॉलीटेक्निक इंफार्मेशन टेक्नोलॉजी बालूशासन, नेहरु कृषक इंटर कॉलेज खलीलाबाद, मौलाना आजाद इंटर कॉलेज खलीलाबाद, संतकबीर आचार्य राम विलास इंटर कॉलेज मगहर, सरदार पटेल हायर सेकेंडरी स्कूल भदाह को परीक्षा केन्द्र बनाया गया। इसके साथ नोडल, डीआईओएस ने कहा कि जनपद में पुलिस भर्ती परीक्षा नौ केन्द्रों पर होगी।

मानसरोवर मंदिर में सीएम योगी ने किया रुद्राभिषेक, लोक मंगल की कामना की

संवाददाता–गोरखपुर। पावन सावन माह के तीसरे सोमवार को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि की प्रार्थना की। प्राचीन मानसरोवर मंदिर में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दुर्वा, अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद गो दुग्ध और फलों के रस से रुद्राभिषेक किया। गोरखनाथ मंदिर के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती कर अनुष्ठान को पूर्ण किया। उन्होंने देवाधिदेव महादेव से प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की।

फर्जीवाड़े में पकड़ा गया आकाश

संवाददाता–संतकबीरनगर। एटीएस के जरिए पकड़े गए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाले गिरोह के छह सदस्यों में संतकबीरनगर जिले के कोतवाली क्षेत्र के सियरा सांथा का रहने वाला जनसेवा केंद्र संचालक आकाश कसौधन भी शामिल है। उसकी गिरफ्तारी के बाद से ही परिजन और सगे संबंधी परेशान थे,लेकिन उन्हें इस फर्जीवाड़े की जानकारी नहीं थी। इधर राय बरेली पुलिस के जरिए उसे जेल भेजे जाने की खबर के बाद लोग तमाम तरह की बातें कर रहे हैं। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के सियरा सांथा गांव का रहने वाला आकाश कसौधन बीएससी किया है। वह एमएससी करने की तैयारी में था। आकाश तीन भाईयों में मझला है। उसके पिता गुलाब कसौधन गल्ला व्यवसायी हैं। जबकि उसके दोनों भाई पढ़ाई करते हैं। करीब डेढ़ साल पहले आकाश सियरा सांथा में ही जन सेवा केंद्र खोला था। परिवार और आस–पड़ोस में उसकी छवि अच्छी थी। इधर राय बरेली के सलोन थाने में ग्राम विकास अधिकारी की जन्म–मृत्यु आईडी पासवर्ड से अत्यधिक संख्या में फर्जी तरीके से जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किए जाने के मामले में केस दर्ज हुआ। बाद में इस मामले में यूपी एटीएस लगी। इसमें एटीएस की फील्ड यूनिट वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ, मुरादाबाद, बरेली, अयोध्या, बहराइच और प्रयागराज की टीमों ने काम किया। उसी कड़ी में एटीएस ने सियरा सांथा के रहने वाले जन सेवा केंद्र संचालक आकाश कसौधन को पकड़ कर ले गई।

सावन के तीसरे सोमवार को शिवालयों पर उमड़ा आस्था

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले के शिवालयों में सावन के तीसरे सोमवार को देवाधिदेव महादेव के दर्शन पूजन व जलाभिषेक को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान श्रद्धालुओं के जयकारों से आसपास का माहौल भक्तिमय बना रहा। वहीं शिवालयों पर मेले जैसा माहौल रहा। शिवालयों पर आस्था का जल चढ़ाने को सोमवार की भोर से ही कतारें लग गईं थीं। शहर के श्रीसिंहेश्वरी मंदिर, पुराना नौगढ़ शिव मंदिर, बाबा पल्टन दास मंदिर, इटवा के कटेश्वरनाथ मंदिर, डुमरियागंज के भारतमारी, मिठवल के बाबा मटेश्वरनाथ मंदिर पर भगवान शिव के जलाभिषेक व दर्शन पूजन को श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा।

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2024–130 दिनांकः 05.08.2024

–ः अति0 अल्पकालीन ई–निविदा सूचना :–

निम्न कार्यो की निविदा पत्रांक 545 दिनांक 10.01.2024, पत्रांक 575 दिनांक 06.02.2024, पत्रांक 600 दिनांक 15.02.2024, पत्रांक 614 दिनांक 23.02.2024, पत्रांक 712 दिनांक 14.03.2024, पत्रांक 60 दिनांक 14.06.2024 पत्रांक 81 दिनांक 25.06.2024 एवं पत्रांक 108 दिनांक 06.07.2024 एवं पत्रांक 113 दिनांक 18.07.2024 के माध्यम से मण्डी परिषद एवं सरकारी विभागों /कार्यदायी संस्थाओं में पंजीकृत (लो0नि0वि0, आर0ई0एस0, यू0पी0आर0एन0एन0, यू0पी0पी0सी0एल0) में पंजीकृत एवं वित्तीय रुप से सुदृढ़ प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों/फर्म से अलग–अलग तकनीकी एवं वित्तीय बिड ई–टेण्डरिंग के माध्यम से दिनांक 02.08.2024 को अपरान्ह 4.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड किये जाने हेतु आमंत्रित की गयी थी, जो उसी दिन अर्थात दिनांक 02.08 2024 को अपरान्ह 4.30 बजे खोली जानी थी। निविदा निर्धारित तिथि एवं समय पर आनलाइन खोली गई, जिसमें कोई निविदा न प्राप्त होने के कारण सम्बन्धित कार्य की निविदा, पुनः ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर दिनांक 13.08.2024 को आमंत्रित की जाती है, जो अपरान्ह 04.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है, जो उसी दिन निविदाता ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधियों (यदि उपस्थित हुए) के समक्ष दिनांक 13.08.2024 को अपरान्ह 4.30 बजे अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में आनलाइन खोली जायेगी। निविदा की तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने पर वित्तीय बिड खोली जायेगी।

क्र0 सं0	मण्डी समिति का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैद्यता	निविदा की श्रेणी	मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदारों की श्रेणी जो निविदा में प्रतिभाग कर सकते है
1	2	3	4	5	6	7	8	9	
30	शोहरतगढ़	न0सं0मार्ग खुनवा शोहरतगढ़ मुख्य मार्ग से रमवापुर तिवारी गॉव तक। 2023_RKUMP_872743_11	46.75	4.35	8300.00	04	90	"स"	अ, ब, स,
31	शोहरतगढ़	न0सं0 मार्ग सेहूणी से पलिया सिसवा तक। 2023_RKUMP_872744_11	39.68	4.00	7100.00	03	90	"द"	अ, ब, स, द

नोटः–

(1) धरोहर धनराशि का मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा साऊघाट बस्ती के **खाता संख्या 30394488595** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** एवं निविदा का मूल्य **खाता संख्या 30394488415** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** उप निदेशक (निर्माण) के नाम अलग–अलग आर0टी0जी0एस0 करना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित यू0टी0आर0 नम्बर हार्ड कापी में उपलब्ध कराना होगा, एवं अपलोड भी करना अनिवार्य होगा।

(2) निविदादाता द्वारा अपलोड किये गये प्रपत्रों में से यदि कोई भी प्रपत्र फर्जी पाया जाता है तो ऐसे निविदादाता द्वारा मण्डी परिषद के खाते में जमा जमानत धनराशि को मण्डी परिषद के खाते में जब्त करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

(3) मण्डी परिषद मुख्यालय के आदेश पत्रांक मु0अभि0ग्रेड–2/(1168)/भाग–4/2005) /2022–641 दिनांक 11.08.2022 एवं पत्रांक 217 दिनांक 29.05.2023 एवं परिषद पत्रांक 487 दिनांक 11.07.2023 के अधीन 'अ' एवं 'ब' श्रेणी मे मण्डी परिषद के अतिरिक्त अन्य सरकारी विभागों/कार्यदायी संस्थाओं (लो0नि0वि0, आर0ई0एस0, यू0पी0आर0एन0एन0, यू0पी0पी0सी0एल0) में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार निर्धारित नियमों के अनुरूप ही प्रतिभाग कर सकेंगे। पी0डब्लू0डी0, आर0ई0एस0, यू0पी0आर0एन0एन0, व यू0पी0पी0सी0एल0)विभाग 'अ' श्रेणी में पंजीकृत फर्म/ठेकेदार "अ" व "ब" श्रेणी के कार्य में तथा "ब" श्रेणी में पंजीकृत फर्म "ब" श्रेणी के कार्य की निविदा में प्रतिभाग कर सकते है। अन्य श्रेणी के कार्यो में प्रतिभाग करने पर निविदा प्रथम दृष्टया निरस्त कर दी जायेगी।

(4) अन्य सरकारी विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों की निविदा प्रथम न्यूनतम आती है तो उन्हें मण्डी परिषद में पंजीकरण कराना होगा तथा अनुबन्ध गठन के समय 10 प्रतिशत अतिरिक्त धरोहर धनराशि जमा करनी होगी।

(5) विस्तृत नियम व शर्ते आनलाइन निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

उप निदेशक (निर्माण)

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

नं0मु0– 5172/2024

धारा 116 उ0प्र0रा0सं02006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक (J) हर्रैया जिला–बस्ती

श्रीकान्त

बनाम

प्रेमा यादव आदि

श्रीमती मीरा पत्नी दुर्गा प्रसाद साकिन माझीयार तप्पा मनवर पारा परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–08–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इस्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 132/2024

दीपक गुप्ता–सायल

1 दीपक गुप्ता उम्र 21 वर्ष दत्तक पुत्र स्व0 रामसूरत निवासी ग्राम नटवाजोत पो0 ऊँजी मुस्हकम तप्पा ऊँजी परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 21–08–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतफ्पा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 21–08–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील

अपील संख्या 786/2024

धारा 11 सी0एच0एक्ट

अदालत–श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी बस्ती जिला–बस्ती

राम कुमार आदि

बनाम

रणजीत आदि

1. रणजीत 2. माता प्रसाद 3. सर्वजीत 4. अजीत पुत्रगण स्व0 रामकेश 5. रेशमा पत्नी स्व0 रामकेश 6. गोला देवी पत्नी अखजीत 7. गिरजेश 8. राजमन 9. परवेश 10. अखिलेश 11. निखिल 12. सिखिल पुत्रगण स्व0 राम नरेश 13. सुभावती पत्नी राम नरेश 14. राजू पुत्र छोटकान 15. झिनका पत्नी छोटकान साकिनान रघुनाथपुर तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 02–09–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 02 महीना 09 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 05 माह 08 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 227/2024

श्यामलाल–सायल

1. श्याम लाल पुत्र राम नरायन उर्फ रामा उम्र लगभग 73 वर्ष साकिन अमरौली सुमाली पोस्ट अमरौली सुमाली तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–09–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतफ्पा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 05–09–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–25/2024

1. विश्वनाथ उम्र 47 वर्ष 2. गोपाल उम्र 30 वर्ष 3. बालकिशुन उम्र 26 वर्ष 4. रामजीत उम्र 22 वर्ष 5. मनोज उम्र 21 वर्ष पुत्रगण स्व0 जगदीश साकिनान मौजा उड़वलिया पोस्ट घरगगड़वा तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर उ0प्र0

प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 30–08–2024

अपने माता/पिता/पुत्र मृतक चन्द्रावती व जगदीश को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2024 के 08 के 30 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

2024 के 08 के 05 दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 169/2022

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती महोदय जिला–बस्ती

शिव प्रसाद आदि

बनाम

हजरत आदि

1. हजरत पत्नी फरीदन 2. बाबर 3. निसार 4. मुन्ना 5. पोपट पुत्रगण अली हसन समस्त निवासी ग्राम गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–09–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 16 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

नं0मु0– 5172/2024

धारा 144 उ0प्र0रा0सं02006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बस्ती जिला–बस्ती

देवानंद

बनाम

पटेश्वरी आदि

1. पटेश्वरी 2. जगदीश 3. कमलेश 4. अवधेश पुत्रगण अनिरूद्ध साकिन वीरपुर परगना बभनीपारा तहसील मनकापुर जनपद–गोण्डा 5. राजकुमार पुत्र बृजनंदन 6. ओमशंकर 7. प्रेमशंकर पुत्रगण रमेश8. गीता देवी पत्नी विजयशंकर 9. कुनाल पुत्र विजयशंकर 10. राजपति पत्नी राजाराम 11. पारसनाथ पुत्र रामतेज 12. शंकरशरण पुत्र देवमणि साकिन वीरपुर परगना बभनीपारा तहसील मनकापुर जनपद–गोण्डा 13. कृष्णधर 14. बब्बनधर पुत्रगण हरीराम 15. सुशील 16. सतीश पुत्रगण शंकर 17. कु0 शशि पुत्री रामशंकर 18. सरोज देवी पत्नी रामशंकर 19. शेषराज पुत्र बचऊ 20. प्रदीप कुमार पुत्र बचऊ 21. जमुना प्रसाद 22. अजीत पुत्रगण भगौती 23. राम उजागिर पुत्र काजू 24. अछैबर पुत्र भीखा साकिनान मौजा नगर बहेरा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–08–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 07 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com